भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–15 अप्रैल, 2022

दंडकारण्य के दक्षिण बस्तर में हवाई बमबारी की कड़ी निंदा करें! विरोध में आवाज बुलंद करें!
पुलिस, अर्ध–सैनिक एवं सैन्य बलों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित 'समाधान' के प्रहार हमलों के खिलाफ आवाज बुलंद करें!

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी 14–15 अप्रैल की दरमियानी रात को दक्षिण बस्तर के बोट्टेम, रासम, एर्राम, मेट्टागुडेम, साकिलेर, मडपा दुलेड, कन्नेमरका, पोट्टेमंगुम, बोत्तम आदि गांवों एवं जंगलों को निशाना बनाकर रात 1 बजे से 2 बजे तक लगातार सैनिक ड्रोनों से की गयी भीषण बमबारी की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करती है. साथ ही छत्तीसगढ़ सहित देश के तमाम मजदूरों, किसानों, छात्रों, युवाओं, प्रगतिशील, जनवादी बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा दुनिया भर के माओवादी पार्टियों व संगठनों, मजदूर वर्ग व मेहनतकश, मध्य वर्ग की जनता से अपील करती है कि वे पुलिस, अर्ध–सैनिक एवं सैन्य बलों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित 'समाधान' के प्रहार हमलों के तहत जारी इस भीषण बमबारी के खिलाफ आवाज बुलंद करें. उपरोक्त गांवों के जंगलों में कइयों जगह 50 से ज्यादा बम गिराए गए. अभी पूरी रिपोर्ट् आनी बाकी है. हालांकि सतर्कता और सावधानी बरतकर हमारे पीएलजीए बल इस बार की बमबारी से बच गए हैं. यह मध्यभारत के जंगलों में निवासरत जनता जो अपने जल–जंगल–जमीन और इज्जत–अधिकार (जन राज्यसत्ता) के लिए लड़ रही है, का हमारी पार्टी न केवल समर्थन कर रही है बल्कि नेतृत्व भी कर रही है.

इस तरह के हमलों को लगातार जारी रखते हूए 'घेरा डालो–उन्मूलन करो' अभियान संचालित करते हुए हमारी पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जन कमेटियों एवं जनता का सफाया करने की योजना पर केंद्र की ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी सरकार एवं छत्तीसगढ़ की जन विरोधी व आदिवासी विरोधी कांग्रेस सरकार के दिशानिर्देशन में आला पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी एड़ी–चोटी का जोर लगा रहे हैं. इसकी तैयारियां पिछले महीने भर से चल रही थी. पामेड, चेरला, बासागुडा एवं दोरनापाल से लेकर जगरगुडा, सिलंगेर तक के कैंपों में पहले से तैनात फोर्स के अलावा बड़े पैमाने पर अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है जिसकी संख्या कम से कम 5–6 हजार से ज्यादा है. इन सरकारी सशस्त्र बलों में सेना के जवान भी इस बार उल्लेखनीय संख्या में हैं जिन्हें डीआजी, एसटीएफ के छद्म वेष में अलग–अलग थानों, कैंपों में नियुक्त किया गया है. तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड्स को भी बड़े पैमाने पर इस अभियान में शामिल किया गया है. पामेड, विंपा और भी कई कैंपों में कई किस्म के ड्रोन रखे गए हैं. दसियों ट्रकों में भर–भर कर गोला–बारूद कैंपों में लाया गया है. अत्याधुनिक हेलिकॉप्टर, हवाई जहाज नुमा ड्रोन, लाइट वेइट एअर क्राफ्ट आदि दिन–रात जनता एवं पीएलजीए बलों के सिरों पर मंडरा रहे हैं.

आदिवासी जनता जो जंगलों पर निर्भर होकर अपना जीवनयापन करती है, को जंगलों में जाने से सशस्त्र बल मना कर रहे हैं. हवाई बमबारी से जनता महुआ बिनने जोकि आदिवासियों की आय का एक प्रमुख स्रोत है, से वंचित हो रही है. हमारी पार्टी एक बार और देश, दुनिया के सभी प्रगतिशील, जनवादी, क्रांतिकारी ताकतों से अपील करती है कि भारत के शोषक–शासक वर्गों द्वारा हमारी पार्टी, पीएलजीए, जन राज्यसत्ता के संगठनों एवं जनता पर जारी इन भयानक वायु सैनिक हमलों के खिलाफ जबर्दस्त जन आंदोलन का निर्माण करें. स्पेशल जोनल कमेटी अपनी सभी पार्टी कतारों, पीएलजीए बलों व कमांडरों तथा क्रांतिकारी जन कमेटियों व जनता का आह्वान करती है कि वे पिछले करीबन 5 सालों से समाधान का प्रतिरोध करने के अनुभव, हिम्मत व साहस को आत्मसात कर, जनता के साथ एकताबद्ध होकर जनयुद्ध के जरिए सरकारी सशस्त्र बलों के हमलों का डटकर मुकाबला करें.

विकल्प

(विकल्प)
प्रवक्ता
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)